

ग ५ वृ म सा न ग ह्रा ग टि क व निल रु य तः श्र म क य आ प्र म अ कि
 हं रु रु ह सा हा ॥ ध न ३१ वा त स यः त्रि न म ठा दः श्र न क द य के ग न
 उ वि सा च य म य स व त्रि सर्वा वृ द य ना स नि सा हा ॥ ध म नः सा ज य
 य वा त स यः म सा वृ य म रु व याः न नान वृ य के ॥ ध न ॥ ० ॥
 उ ह द य य वा उ श्र ग म लि ह जी ग्रा सा हा ॥ ध म नः सा न ज य वा च व
 कः मि सा ताः वि ति या यः उ त म ॥ ० ॥ उ हं कूं वं कूं क सी रु रु तः ॥ ध न ॥ ० ॥
 वा व च म् ॥ ० ॥ उ न मा र ग व म् का त्रि क सि दि ॥ न वि वा म् म्

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

1.247

४ कृनामिकात्रिधिवर्जिवरुवकनरुऊ
 लिखिल्लो नखादत्रयुक्षिषाकायपुनमवदा
 नयनहातुर्वरे नि ॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 दो दो दो दो दो
 श्री श्री व श्री द श्री श्री

उं उं उं
 उं उं उं
 को भाव
 यो य मि

४

य दिनाग

रष्टमत्राति का र्याह ऊलित्वा

कृकृमनकात्राचननरुऊ यवमलिखवउरु
 रुकक६६भ्रवय७ नाऊ दान नाऊ वभीरवनि
 नन६६य्यां द्यो नरयनरयनि६६ नानि

भनावसंयूढकायवाक्त्रहामं
 रक्षन७॥सर्वनामानवर्षवयनि
 नागसंदद॥रुद्धकात्रय७॥
 उं हूंःकार्वाकृदिनासुदी ॥

जानामूखीयना विमूत्रमनुज जायीऊकं
 १०॥यनुमि क्षुति कर्म क प्राणिहामिभुतक
 म्मं वकनक काष्टनवगत्राडि कानिस्वपन
 काकनाल्लक्षकव्यमीमभानिकर्मक्षलाम
 दृगमधूयानाभममिवनि क्षान्ति विखाह्वा



नाडाक



लोनाडाक

१३ १४ १५ १६

धजगः कं कसलम प्रवडनर

किमिनास



रगः यगः पयभयः वानजदः

॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥

धजगः कं कसलम प्रवडनर

अनादिदृष्टनास



अपरासोयः सवरेयनास

॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥

॥ अजगैः रुनधात्रः कठः वाप्रसविः धुनिचूनगार्डः अतसहदयादं नकः गिआयगया
यजिवय ॥ ११ ॥ यात्रिजा गवतखनिरिदः कायगुः नसाजनः गुगुविः नखः कूठः दा
धनयः धुनिनधूयपाठंगिवसे ॥ १३ ॥ कूदजवः कृगः पदनेकनायः कूकाः मुकम्यात्र
लपसानः सपनायः धुनिधूय कूठंगिवसे ॥ १७ ॥ सिगखाद्रदः वात्रसददः नजायः नः
खसनर्षः इत्रसगनः गाउगंविजुर्लतन ॥ १८ ॥ रुनधात्रः यताययानतः नमसया
नः कनित्रयानतः नखननर्षः यितावसहायक ॥ १९ ॥ विम्यावया कथागटीकसदाः

वजनकं वनया दावः प्रकाशकनसिद्धिस्तु नैः दिन १ धनयात्रे न सव्यमदृष्टं
वख ॥ ११ ॥ हामनः डिनिखानः सखनया धैवः तगसद्वैदेनः वाहन जाब् वख ॥
१६ ॥ रगिमना वनया दं ॥ धनः कदासुहर्षः गादं मवाद्यवख ॥ १८ ॥ अश्वगंध
हाः धनकदासुहर्षा गादं मावाद्यवख ॥ २० ॥ रगिमनाहाः कृगः गावनसुहर्षा दन
कः वसिन ॥ २१ ॥ ज्ञानवनः मनस्यवननगवकः वसिकन ॥ २२ ॥ निमखायाः नंख
ननैः दायकः तगसिस्तः निवखनाः कथनवः कथकूमात्रिया तगथं दनिवख

॥ २३ ॥ अकाक नखनः तिगसिस्तः वात्रवधन ॥ २४ ॥ गाय अय नादिरु पाहाः यून
विगकूत्रियः वाहाः कृगः मखानयाह ग्यात्रः थगिवा नाववनगियः वसु
माहतिरुना ॥ २५ ॥ ॐ नमात्रलगाययूनल ॥ २६ ॥ धर्मनवनकं न ज्ञयत्रय
मादसगत्रकः अगिद्वसवाह चमथवक वयक ॥ २७ ॥ जाहाहाजीजीजीपलाहु
वमनाय ॥ धन १ नलननाहा धसुत्रयः खानयसुं कायः ज्ञयत्रयाव अमकनामकाः
यावः ववथ १ नधकयावावकायः धवकवयक रुना ॥ २८ ॥ ॐ कालिकत्रनिमायिकामः

ननिस्त्राहा ॥ अस्याग्निनाकापनसकायः शिवालक नावः चकननमनकायकावमाहनिहय ॥
धमनवीयनपावः केचकः वभिकननउगमरुना ॥ १८ ॥ गत्यवातिः मित्रकासिः वृयकाः युकाः
~~वृयकाः~~ वृयकाः स्या ॥ वृयकाः स्या ॥ वृयकाः स्या ॥ वृयकाः स्या ॥ वृयकाः स्या ॥ वृयकाः स्या ॥
नवयः काकुद्रस्तुः कृषिकैककिकवः वियस्यपावदकसथनः सनुभयामदकासथनः सनुयाकलः
हृदययः हृदयकर्मरुना ॥ १९ ॥ उं नमामहा मायय ॥ उं कनालविकनालः हलशकिनिमहा
मनहनरुं श्रीवं १ महरुमाहानदसा नायसाहा ॥ अत्र गलं रव उय पावगानः सद्यपि निजुं

व ना ॥ ३० ॥ उं नमार्गवनेः यिर्गलनगुल्लयविस्यनिस्त्राहा ॥ उत्र गंरुनः वंरसददंथान
॥ ३१ ॥ साकुरगियादिः चवनहवः अतिगं नायनियावः वगनिशयकः धवर्वगनिवाध
वयित्रव नायंकादावः धवषवनासः उवत्रानमिमास्यथात्रः धमनेयः उत्रकविशः मवन
मवनकडिवय ॥ ३२ ॥ साकुरगिः अं गं वायकुरु काणावः वसमातकुरावधूनः भादसः
दिसकावः कदिदययः अं गं वायकुरु सवालपू कामात्रः न जानं अं गं नकायमात्रः कि
धर्मगविसमात्रः कसुवात्रदगदावः कलितलपयसु जागार्यवकः जागाककममन
दावः अतिगिया अं गं ययवः कासस्यलः रयसेदावः धकासस्यलकनः वजाधन

सावायः मखडाधवगुत्रिकायः कासवावावउगनगिरामिखासउउउउकाविद्याः सिद्धिः
मषनका ३३॥ विमावयाक्रियागनाकथनः मगनाः धमवकुनात्रमावविं ॥ निव
रुनसादावः किय्याषनहयाकात्रयंसावः मिगडावः रिगात्रसुइयदावः उउमककाय
केः कासिकात्रानषनलनः मिहानगनयार्कनयाषनहयकः धवकमलात्रकयगः
धवक्रासमइधदनेवा ३७॥ उं नीधिमकुत्रसिधिमकुलः धासलायमदवहं हट
साहा॥ सिधत्रउयत्रपावगिरः सर्वमाहयायमंला ३८॥ इधत्रखानयाहगिहानकय
केननानकः केचकेः मयननायायजीवरा ३९॥ खलकुनः जनः लंखसनिखं कसमधन्यः वगः

ननरुखरा ३१॥ कूसुषाधिः मगनाधिः यात्रिजाववत्रनिधिः हवधनः धमिनापवावावः मावसः
गनेकः दायवायकः मानसस्वसहकु ३८॥ कामत्रूनः मासूनः सिगमावइइः विकनवावावः मगः
पगसधदनक ३९॥ दृष्ट्याप ३९॥ दागाकाहखानः पयगुः रूधूयादः कलिनवात्रां विगसयादः नाकि
गिरायः सलायदयः ग्राह्यमिसाग्रहंकारुवः धवआयनसर्गेवस ३०॥ नवठलायः गकवायः वाव
मासः लयकसत्रः कसुसः सिगवाकः समलागनिखं ३१॥ निखिकमरुनः सलायदयवेः मिनगात्रम
रूवख ३१॥ डिनिखानः नकाः साधन्यः आनिमननः मानेवगिरायः यत्रखविनयआयनरा
दंग ३१॥ निलउहाः यत्रकसत्रः कलिनानिपावः गदुसकनैः विजसंरुनः ३३॥ काकदुग

नलाः यच्च कस्यः कस्मिन्ननस्य नरु सवः विजसुतन ॥ ७७ ॥ भिससमससाधियेनः नूरागः
 सरुस्यः कायः निमसपायः सिंमनयायः निनना नमरुव ॥ ७८ ॥ आदधनः कससाधियः पयंशुः
 समतागः मसयिं गारिनवारं धानकू धंशुसददवियजीव ॥ ७९ ॥ दधनहाः सानः रुवः स
 गुगुनिः समतागः कृतायाजिमषुदः नुसः मसदिनकू धनदहाविय ॥ ८० ॥ गुगुनिः गीषंदः
 कूटः कूकमः दवदावः लयकू मवः उमनहाः समतागः धयकू न जापुजावम ~~कूटः कूकमः~~
~~॥ ८१ ॥~~ ॥ ८२ ॥ उँ नमः श्री गलभाय नमः ॥ सतगु ^{पाद} र्कौ नमस्काव ॥ ८३ ॥ रौ नवाय नमः
 ॥ ८४ ॥ उँ हँ यौ दँ वँ दँ हँ यिँ हँ ॥ धमननः रुजयनः सवायावः लयथकाकप्रसथायनः

लम्

पूजायाय दानः धरुजयनः ॥ विधिः धयः दियः विधाननल क्लीयुजाय
 काडाः धूकू गिसतय ॥ मनः कू गुरु निमिद्विज्ञानः ॥ रावया कार्य सिद्धि रुयू ॥
 उँ सिद्धिगुरु साज्ञानभा कृषु गदिल्याय सायने १ निद्वि रुसुय १ ॥ नागस्य वा ॥
 रुनय वा उरु ॥ सुयवा ॥ साकषनयाय ॥ धमनयनया उ ॥ धन ७ ॥ उँ हँ हँ
 हँ हँ रु ॥ हायाया धयुजाया ॥ सिद्धिद्वियु रुवा ॥ रा उँ श्री सिद्धिगुरु साज्ञान ॥
 क्ली क्ली धू मूकम ॥ सादरगुरु धुजयनया उरु ॥ नावनर्मक ॥ धन ११ ॥
 उँ यौ उँ कौ त्रिकालिमहाकातिरुसुत्रिका ॥ माहावीन ॥ उँ यँ माहावीन ॥ ग

नः जायकः रुना ॥ ३ ॥ ॐ कस्तुत्रविद्धि ह्यहा ॥ ५८ उवः वूटः रुना गं
धः नृयकृ गनः धनं लागनना हा थस नाकः कृ चकः विधानः मि साम
य हा मि ऊननः मि ऊनमयत्र सीः मि हानयायः ॥ ५ ॥ ६ ॥ ॐ नभा ग
व त्रिवसिकनः मनवृधः कामवधः तु नृवधः ॥ ननाम कायः मनवृधः
वतवृधः ॥ ७ ॥ रु सीः कामवृधः ह्यहा ॥ ८ ॥ धाननः ऊयत्रयं नक भाक
सि त्रि रुना ॥ ॥ नायिः माहा नायिः नायि सिद्धि नायिः धनः ॥ ९ ॥ वयि
स्वलियामनः नाम कायः वट ला वयाः मा सिद्धि रु नृ ह्यहा ॥ १० ॥ विज

पर्यथ वरवदग सीनक मि सामनवनक ॥ ॥ १ ॥ ॐ मान ना लात रु नृ ना
तिः ऊम रु त्रिः रु रु कायवः वट लाग व काय निः रु लि सिद्धिः ॥ ११ ॥ वि
ययनकः मि सामनवनकः हाः मसः य स्य ऊन रु वः वस्य याय ॥ ॥
१ नायिम वयि धनः ॥ १२ ॥ वयिः स्वलियामनः धन नाम कायः वर वट
ना वयिः कायिः मा सिद्धि रु नृ ह्यहाः ॥ १३ ॥ विमृयक विधानमं नृः ॥ १४ ॥
स्ववयु त्रिन ग व न रु नाः मि सामनवनकः ग थ विमृनः ॥ १५ ॥ नृ
नमृयवः विधान ऊय मा त्रिवः ॥ १६ ॥ ववस मि मी सी ॥ ॥ १७ ॥ ॐ य वदया

[illegible][illegible]

हृदयवाहा

कामपाइ काचने गाचनेः नहिनामनिहृतिमनेः कामरूकाम

रुकिआह नामक ठूग्यनवावाः॥ अत्र यतमनययेमस्थानसंवादाव

करन २६ नमस्तु अहो य विखाहा ४ हि छि च ५ आ नाने तिष

घातसव्यः स वि सव्यः पूर्ण का के इ नीः २६ नवपुके
हृदसाहा ॥ धात १ हि छि च ॥ समस्त ॥ डि ॥ इ ॥ इ ॥ २४ - ६ उहा
हृदसाहा ॥ धात १ नागनायः सि वृत्तः का के नवपुके

रमन रुकिमानासय २ हृदसाहा ॥ अत्र १ की नी या वाथसु व
वा ॥ कु न के ची न के इ नी धी यम १३ २५ नमस्तु अहो ॥ २६ डि

कि १ २ ३ ४ ५ ६ साहा अनडा कानही अद ड न अह या ॥ २७ नवपुके

ह या सुडा वा ॥ अत्र २ या हा ॥ २८ नी धी ॥ वा की साहा अत्र १

धी थसु य की नी या रु स या र मा क ता स क ता य क ता रु हृदसाहा अ ॥

स्था का र सि व वा सु य य य य ॥ अत्र १ कि मिया वा कु न के ची न के स

म तं डी उा स वा व ता मा न या रु ४ कु इ का रु २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

या की मिया सुगु वी वीही ग वी वी व ड व रु साहा ॥ अत्र १ मा न स डी उा रु

नखडा को सुँडी व ॥ जेवमा गनडा डाको कड गननडा व ॥ खा

मंवननीवीसमासवीवड व पीसा ~~हम~~ वनवीरुसा व ननाइ साडी व वय
सनायगाहा या २हमीनही नडा ॥ वनगागागाहा ॥ १काहीकाहा न ॥ मान
ननरावन ॥ गावनसी ~~यानी~~ वनीधूमागमनीवाननीदूँदूँदूँदूँ
साहाजा नकाहा खतीम तडू ॥ डाकोजा न ॥ नखडा न सुँडी व ॥
वनगा

२७५ ६९५ नका रुम न ॥ मनगातहि ~~है~~ साधूँदूँदूँ ॥ वन ३ जवायान
या मग्यनकंड न ~~है~~ नखडा वपी नक मग्यनक २संवत ७५२ साद्यक
रुदसा यातिथ व नरुनकर ॥ निवडा जड थाक त म रु ग सा सवानम
५ मक्रनासिक त मवीरु कूर नासिदं न मसी ॥ १ न भाग न डाय १९५ क
नभा चय सा कदुगंध व वम वना ॥ ॐ दूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँ
दूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँ ॥ व
ॐ दूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँदूँ ॥ व

[illegible][illegible]

ॐ का पि पु ता. का पि ना ति. ता ना स ति मा या ह ग ति इ त
ता सि. त ह वा सि. ज्ञा न. पु ता ज्ञा ने द्रा सि हि गु न शो
४ ५ ३ १ ॥ धर्म न सु धा न. इ ना स थ डा न. ज्ञा पु न
का ह्यं क्त न थ य. व न वि आ र्थ या न ल. ना म का ह्यं
म यः थ मं म. य या क्त स तु या के. मा न न या च क्त
स इ यो ॥ ४ ॥ ॐ ता न तु ता न स्वा हाः व न व न सि हि

ग म मि नि दे व उ डु लि कू र्थि दूं रु ट ॥ क ष या क्वा इ य
तु या क्त्वा स त यः स्वा च के रा य म् ध इ यो ४ ॥ ॐ ह ॥
ग र्वा नि र्ज नां स्य आ हाः य क नि ल लः हा क्त्वा स त यः
मः ए व वा सः गंध धु मं नु न म वं म र्वा नां त ग र्वा ल य
ध १ नं वा क वा क सि या मि स्वा स वं अ ह मिः ५ १ २ म १०००

कालः यथावद्विचरं दविनं ०० तन्म क
सोन हरे ह त तं ह तं सा तं अ ल लो १०
क तः तन् अ न वि सा च तन्म न सा ना न सि

(K)

आशा आर्या

1.247

ASHA ARCHIVES

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यः प्रोक्तो यो मन्त्रो नाम्ना
तदेकं देवता यत्तयः ॥ क्रिथवनिवि स्थितयः ॥ वृत्ताया यः ॥ श्रेया
॥ मिमानः ॥ नवित इवि युरवः ॥ थवहियस नवायः ॥ न
सिहइ गभयकः ॥ श्रुति दाः स तु या नामचायः ॥ अमंत
नयः ॥ १००० ॥ क्रिथयकायायः ॥ थवहिनः ॥ यसः ॥ स तु या
स ता ॥ दाह नः ॥ ता यवः ॥ दा मं ॥ ॐ नमो कृष्णाय ॥ ती
दा यः ॥ शानयः ॥ निधिः ॥ सुदयः ॥ रनागः ॥ थ नः ॥ वायः ॥ सु नका ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यः प्रोक्तो यो मन्त्रो नाम्ना
तदेकं देवता यत्तयः ॥ क्रिथवनिवि स्थितयः ॥ वृत्ताया यः ॥ श्रेया
॥ मिमानः ॥ नवित इवि युरवः ॥ थवहियस नवायः ॥ न
सिहइ गभयकः ॥ श्रुति दाः स तु या नामचायः ॥ अमंत
नयः ॥ १००० ॥ क्रिथयकायायः ॥ थवहिनः ॥ यसः ॥ स तु या
स ता ॥ दाह नः ॥ ता यवः ॥ दा मं ॥ ॐ नमो कृष्णाय ॥ ती
दा यः ॥ शानयः ॥ निधिः ॥ सुदयः ॥ रनागः ॥ थ नः ॥ वायः ॥ सु नका ॥ ॥ ॥

कन ना ग ला त य ना ग द थ द तः श न ह यः ग वं या यः ॥ ५५ ॥
॥ ००० ॥ द्या द या द क का यः ता थ थ ना ग पु नः न छि र त नः स
ख ॥ उ ह न र स र मा न य र ह रू ॥ मि को स द ज ग रि
जा य या यः ॥ ५५ ॥ १००० स पु या र खा इ वा न स ता यः द क
सि य ख ॥ ह न र ख हि र ह न र स पु रू ॥ ख य न हि
अ गु रि हा य कः जा य या यः ॥ ५५ ॥ १००० स पु या र खा इ वा
ता थः व मा न हि त न न सि य ख ॥ अ य रू र ति र मा न य र

स रू र स पि न य वि स र हं ज क रू रू द स्वा ता ॥ या को स स रू र
क य व सिः आ अ गु रि हा य कः जा य या यः ॥ ५५ ॥ १००० स पु
वा को स थः ता य म रू ॥ उ वि मा न क म ० दू रू रू रू रू रू
रू द ४ ॥ गृ थ या को स आ अ गु रि हा य कः थ व हि न त न
या य ॥ ५५ ॥ १००० ग पु या द न स ता थ ॥ च या रि त न स रू
॥ ह न र स र य र न र रू रू रू रू ४ ॥ ह न थ न सि थ अ
॥ न य क जा य या य ॥ ५५ ॥ १००० स पु या र खा इ वा न स ता थ न न न

ॐ सं ह्र ता ४॥ कृ ३ सु ता ता र ह रु र ४॥ म न थि दा ॐ गु नि
हा य कः का व या यः ५ न १००० छि या यो ख इ का स ता थ न द स्य
न के ४॥ ह न र ग गु रु मूर द व द रु रु रु व ध र या द व ध र
कृ ४॥ क न प्रा ह ॐ गु नि ३ स य क का व या यः ५ न १०००
न र १००० स ग स्य थ न य न श व न या न ता ता र न ४॥ कृ स गु कृ
४॥ १००० इ ध न सि व ३ ४ त्रि स य क का व या यः ५ न १०००
य स न न र वा स ग स्य य स न नि सा ग ल या य ४॥ ॐ कृ ३ रु र ० सा ता

[illegible]

ॐ कृष्णसातिल्याद्यैः क म य ना सर्व का मि क म न ॥ ॥ सि ज न न स
सर्व ह मा की ॥ ध न क य न य न य स ते ॥ दा स्या य ॥ ॥ अथ स
ध न न न स सा हा न या इ म द य व ॥ क क्का न या के ॥ त य सा र ग
क गा र द्या य ॥ ॥ कृ गृ ध या मि गृ उ नि या व ॥ ध व मि र वा य
ध न ॥ स ना हूँ डा डी व स इ य ॥ ॥ स क ख या गृ गृ उ मः ॥ अं न
ध न ॥ द स वा ता ॥ स स कृ उ या वा स या द ग म का व व द स न सि ध के
॥ म क न अ क न न लु य ॥ ॐ न मा अ न ग म य ध न मि र वा हा ॥ ॥ ध व

क म र व न के ॥ ॥ हा क र ति या दि ॥ क न न या सा य न के का मि त का य
के ॥ अ न न रु य ॥ ध अ न न न ध क म र व न के य क ग ॥ ० ॥ वृ लि या
का व या वि द न यि ता न दि न ॥ को र दि ॥ ध न म या द के न ॥ ध क ख न के
॥ स को र य या मा उ स ॥ कृ का इ ध द पि य म ॥ वा व कृ का कृ तु ध न दा न
को र इ य ॥ ॥ गृ न य ॥ वि या मा उ स ध द पि म ॥ व व य या ॥ कृ ध
स ध दा व ॥ वि इ य ॥ ॥ वा हा न या ॥ अ न न य य का स वा न क ॥ पि र
सा या ध न न वा न ॥ अ न न न न ॥ ध न मि स वा न के ॥ अ न न ल

याति नः नरुन स म्यत ॥ लिम नारुतिः ॥ अय मा गति नः ॥ अ म न मिति न
 नृया वः ॥ नि ल न स या यः ॥ न व न व न म द त ज या यः ॥ थ न न न व न
 म्यं ॥ थ न ता नः ॥ नि नु लो न न या ये ॥ सा ग या द म न वः ॥ थ मि लि न के ॥ म
 लो य हा क क ॥ ॐ न भा व डा र खा हा ॥ खे य ल सि न डा द य के ॥ व म
 थ ॥ द ता ॥ थ स स म लि न के ॥ तु व सु थ द नः ॥ तु म लि न के ॥
 ॐ न म ४ वि द्यु ति ॥ क न रू डा ना म रि लो ३ जी २ रु ट ॥ थ मं म न रू न
 व य जा ॥ व लि ॥ थ य वि त र्म ३ द य के ॥ थ थ ल र म लि डि श य ॥ थ म या दा वि

द्यासि धय कः न्यास याय ॥ ॐ विद्युत्तुङ्ग स्वाहा ॥ हुतयस् ॥ शाला म
 खि स्वाहा ॥ सिन गि ॥ लौ लौ डी डी स्वाहा ॥ नेत्र याय ॥ ॐ ई ई स्वाहा ॥
 कव क ॥ ॐ ज न र स्वाहा ॥ सिरा ॥ लौ लौ स्वाहा ॥ कव याय ॥ ॐ डी डी
 स्वाहा ॥ कपोत स ॥ ॐ ई ई रुट स्वाहा ॥ अरु य ॥ थ न्यास य थ मन्त्र
 जाय ॥ अ न १०८ मन्त्र न ता द न क म सः ॥ थ न्यास या दा व तु त व ॥
 काय नाडा ॥ कति ना वः ॥ मन्त्र साट न याय ॥ धि स नाडा ॥ या स नाडा ॥
 धाति क र्म याय ॥ वगु ना वः ॥ वेद ना वः ॥ अक र्ष न याय ॥ तच्चु ना वः

क्रायकर्म माय॥ गुनिनावः॥ ननावः॥ उद्योतनकर्म माय॥ वि० ना
नमाननकर्म माय॥ थवथवलि० सः॥ कर्म नासि० थि० य॥ थ० गु
वनासमानः॥ कोयनानः॥ कतिना० ॥ वाचावेन स॥ थासना॥ थासना० ॥
मना० वेन॥ वे० गुना॥ वक्षानान ॥ तक्षाना० ॥ वाक्षि स॥ गुनिना
नखपहन स॥ सिता० विना मः॥ स० थ० स॥ थ० वि० स० स० थ० थ०
धामकर्मनः॥ ॥ ॐ विनमस्वि माहाविमाविः॥ अमकः॥ दन० यव०
गद्यवसमानाय साहा॥ ॥ धमकन जय यादवः॥ उ० कर्म सिद्धी॥

धमनमनु॥ कर्म॥ गुम० नावनन॥ रजयस० थाव० का० थाय०
वः॥ नासा० स० वः॥ ॥ ॐ श्री वक्ष्मा देव स० य० वः॥ ॥ दक्ष० श्री० ॐ
उ० कर्म॥ गुम० नावनन॥ रजयस० थाव० ॥ २० ॐ वजकिनि० व० व० नाय
आत्मन० ॥ नि० आ० स० यामि॥ ॐ आ० वा० र्जु० स० थ० था० व० था० नाय० अ० म० ना
नि० आ० स० मि॥ ॐ स० क० ल० स० व० य० रि० ता० ना० य० म० ना० नि० आ० स० मि॥ ॐ स० य० म० स०
म० य० द० ३० व० द० थ० म० स० द० न० स० ह० ग० च० मिः॥ नि० थ० स० रि० य० न० स्या० हीः॥ सर्व० थ०
था० ग० गु० द० रि० ता० कि० नि० ॥ दे० वि० न० स० नि० दे० वि० वा० थि० स० व० म० हा० म० न० वि० स्य० स्य० न०

आने न मन गच्छामि निरय ॥ स मनोहर उमा सवनाचनाइ ॥ नत्वा ग
 नाके मा मा दसिद्धि प्रसूया ॥ सर्ववदवाहि सुवा ॥ अहं मम क नाम ॥ मा व
 नाम वा दा ॥ या वदविधि म द्यु निरय न ॥ ॐ ॥ त्या दयामि य न म वा
 विवि तु न म था नि या वि काना ॥ स वा ॥ कृ नि श्व या वा वि वि ॥ सी न सि का ॥ ३
 कृ न ध र्म स गृ ह सा रा थ कि या शा न व य ग द्वा सा ह ॥ दृ दू व ॥ उत्त ॥
 कु ति न ला ग म नृ तु ला ॥ अ द्या हि न गृ हि द्या मि ख न न व ध या ग जा व ज द्य
 द्य ॥ ३ ॥ म दा प्र ति गृ द्वा मि त ॥ ॥ ॥ ॥ आ वा ॥ ३ ॥ गृ हि द्या नि मा ह व न क

भावय ॥ चतुर्दश नवरात्रि मितेष्ट कृत्वा पुनरिदम् ॥ महालक्ष्मि नमः ॥
 याज्ञस्तु मयि वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ मद्गुणमयि गच्छामि वा दृष्टुं न शक्यम् ॥
 महायज्ञरुल्लसद्गुणैः सह साक्षात्कुरु मया ॥ समस्तसर्वस्यैकव
 तिष्ठामि सर्वस्यैकवृत्तकर्म यथा नश्वरमस्तु सर्वं ॥ ॐ स्वाहा
 यित्वा प्रमदं विविधमनुरक्तम् ॥ गृहित्वा समस्तं कृत्वा सर्वमर्थापका
 लं ननु ॥ अति दुःखं नयिष्यामि ॥ अमुका भावयामि दे ॥ अमुका
 भावयामि सत्त्वान्मूत्रं यमि ॥ ६ ॥ तामि तिष्ठि वत्तावता ॥ ७ ॥

स मा वि म डा व व स्मा ता ना स ग दृ वि तै स हि दि कु काल ग रु ति भा ति
ने स त्रि ल द द - ना म क स र्व ला क धा तृ च नि ना ला सा सा क ल्य वि रु म ना
व स्य ष वि ला व ॥ ॐ म रा व म ॥ स र्व ध मा स्य रा व स्य ॥ स र्व ध
म न त्सा म धि म च्य ॥ ता ता ध र्म क य नि षा दि रु न ध म स रा ग का
य म् वा द यि तु स व ज्ञ दा कि ल्म षा त स्य दि द व गि रि स्ता य मा न रा ध व
ने जि ज्ञ ज्ञ व ज्ञ स त्व ज्ञ व ता न न सि हि म ह ॥ ह ह ह ह काल ना थ स
म था ह म ह न मि ता ॥ व व व व ज्ञ स्ता ट गु क्ता ग ते द ध र ॥ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ दा

स रा ष्य व ज्ञ क्ष म क स त्रि य न द ॥ ता तः च ड म द्वा ना का ग वि ल व
ग्य ना ह य न स र्प य त्रि ज्ञे का ना दि व र्ण य नि नि ष्य न य म द्वा षा ड
म गु न स्ता व ता ॥ ता तः म धा रु का न क य दि ना त व ज्ञ व र्ण ता क्ता न स वि ल
ता कि म वि वि ल ॥ ॐ व स्र ध न स र्व ध र्म मा ॥ व ज्ञ स र्प ॥ ता तः
न व ज्ञ प्र स्मा नि ष्य न स र्व ता थ ग ता वि ॥ ग ह ॥ नि ष्य यो स र्व व ता का ध
कु स के न द थ त्वा य न ॥ स ह न ता न व य व स्य ज्ञ न का न न न क्ता त
ॐ व र मा न ह हा ॥ म र्व न रु म य गु त्व य दि ॥ ॐ उ त्ता वा ह ॥ ॐ ॥ ह सा द

प्रवमाहा मडा बवलिता ४ विनयत ॥ ॐ या ग गुरु मर्व धर्मा ॥ या ग
ॐ हा ह ॥ वरु सनालयन ह ॥ ॐ मम या ह ॥ ह ॥ स मयत्य म ध ति व
मा ॥ आ ॥ ह ॥ ह ॥ क न म द स ॥ धर्मा क र्मा स म ये म द ॥ कृता अतिष क मा
व क ॥ जि का य ॥ म ड ल ॥ च ड धा त्वा धर्मा क न य न ॥ धर्मा न म र द ॥
हृद य व र्ध वि स व ज ॥ ॐ कृ सा हा ॥ ॐ आ ॥ क र्मा म ॥ डा क दि य के रू वि
क रू य व क धा त्वा म हा ग ॥ ॐ अ हा हा ॥ ॐ ति कृ सा हा ॥ आ ॥ हा हा म हा
म द ॥ अ वि ष्ण क ॥ इ धा दि ॥ ता नृ ॥ त्या दि य य ॥ द धा वा ग य ॥

ॐ वरु म न य स य थ ना अ म द ग न न ॥ अ क रू ग वि स हि न म र व
हृ वि ना स नृ य ॥ ल क ल व वि कृ ति म म वि ज्ञा ति अ य ॥ र कि न अ
अ क न स र्व स म वि न वि अ य ॥ दा दा त्रि त्रि ग द या द स त्रि लो कि अ
स क सा र नि मा क वि व कि अ य स र्व स र्व स र्व का ॥ सि म क वि न वि
अ य ॥ य अ वि का ॥ नि व द्वा त ख वि न हि अ य ॥ म अ य व द वि न अ म य
वि षा वि अ न ॥ व र ह म र मा वि अ क क ध र्मा ख मा हि म र न न म ह र
हा ल ध र्मा ता यि नि मा हि अ न ॥ म मा रू का ग वि य म र्वा मा व क ॥ ७

कवृशसमस्तानवाः । वर्वणकतन गृहाग्रमावासेपथ्यगुन्यागम
विहवदराज्ञनेस्तनगहमृम्याः । मादगमनविहवदः कृष्णरुडम
हार्डदवल्समाग्रातः । यक्षगकिनिमहादत्तसर्वकर्म्मनुसाधकः
ग्रागमश्रुनमहाग्रागवदस्वतियतुस्तथा ॥ तथा गतामहाकायाः नि
नरुतयागः शृष्टिकाः ॥ ॐ इवदस्वति आग्राग्रावहनसर्वकासर्व
का ॥ ॐ कक क ई नः ववर्वननः खखखातिन २ द्यद्यद्यातयः ॥ सर्वसत्त्वा
श्रमकस्यसानिक्कुरः पृष्टिकुर ४ वसकुरः ॥ श्रवानकुर ४ हृददस्वा

स्वस्त ॥ ॐ दनभावजगमर्धनराजयः । तथा गतायाहर्मेः ॥ मृन्य
तावरुमस्तवः । मिक्कसवृदायः । तथा गतायाहर्मेः ॥ मृसध २ दृतइर्ग
तियधति ॥ विजयध २ वनकमानायः । विमश्रुद्वति ॥ मकावृयाः । तथा
नेस्तत्ताः । कसमाचनयाममि २ महमृनियस्तत्ता ॥ धनसकृद्विमृनहा
यकेश्यान्मसर्वइत्यातियविस्तधकना ॥ ॥ १ ॐ वृदायानयकस्तना
ययश्रमलेकुर २ स्ताहा ॥ धमृनः । सृग्वनवावनस ॥ तयः । त्रियक
नकास्तवनसीमपाव ॥ ॥ ॐ विमि २ विमिदयस्तत्ताः । धमृ

नः धनं ३ को ना य मं ॥ ० ॥ ॐ सु ३ सा साः ध मु नः ध नः ॥ न न य
यः द्या न य ध न य य न ॥ ० ॥ ॐ नृ दि ल न थ व न नः वा स द वी वे
न न ग र उ य क हा य न न ल म्मा ग क्वा व ल हा ॥ ध मु नः र व न स थ म थ म य
ध न ३ न य ध न थ म य मुः सि न सि ध लो ग म्मा व न थ म य मु थ ॥ ० ॥
ॐ न म ४ मि वा या ॐ न क्क ग न र यो द न ल कः म न ध न हाः टा क न न
पे द मि य न म ह य दि ल हा ॥ ध मु नः ध नः ॥ न न य वः २ स ध न स का
या न न क ३ ॐ स र वि वा न र ग न न ॥ ॐ न म ३ न र श ग्मा ३ वि स

व स
सि धि ल न स म स वि द्या न क वः लि क न्य क म्मा लि न सा म यि द सि ३ वा ल
नि ला य स म्मा यि वा वा न श व यि मा सि दि ३ न र श ग्मा ३ ॥ ० ॥ ध मु नः
ध न ॥ न यः ग्म लः स साः ज य या द व न कः व स सि धि श व स ॥
ॐ न न क क न ह न न र ट ल हा ॥ ध मु नः ध न ३ न न क य कः न ग
उ नः स य न न य यः म य कः नि ला य म दि थ नः म्मा ध ज य न कः म
व स म्मा ॥ ॥ श व नि व धा न ना व स नृ न क्क नि वा व द्वा क थ न वि
ल नि न क र वि ज व ॥ ॥ ३ र द्या न न द य ध मु नः ध न ॥ वृ यि

वा या वा न ग न ॥ ॐ स्वामि सुय उ य ग न उ म र वा ग ग क र्क र्क ग
ना न स्य अ ग्या ॥ ध म नः ध नः ॥ सि ध न र ज य पु मि सा या नां दि प द
वः उ र म् ॥ ॐ साले सान म हि सान माल नि यः सा हः ध म म नः
ध नः ३ न य ग य यः ॥ ना न कः सान क द य म र्सा या सान क द य क ॥ ॥
ॐ न ह स र्व सि द्धि म नि य व यि हा रु रु सा हः ध म नः ध नः ॥ न र व र
पु यं ना न कः ध न व वः याः का न व ड ॥ या रि क ॥ ॐ व ह न द या ह
ग व न स ता व नः स थ रु न र द ह्य रु ना गा व पु ना स मा हि वः ह न व स्य थान

र न्द्र मा हि ना ग र ल रि ना ग माः सि दि उ र अ ग्या ॥ ॥ ध म नः ध न
गः स्व नः वि नः सि ध र ज य न यं क यः ना गा स क मा ह नि ॥ ॐ वि मि धि मि
वि मि द्रा य सा ह ॥ ध म नः का ना य म य य पा उ न म न्क ॥ ॐ की द ग्म न
रु नि का ह ॥ का य य नि म न्क ॥ ॐ र स सा ह ॥ मृ ण्द र ज य म न्क ॥ ॐ न
न ग न म न्क ॥ ॐ दि व दि द वि ता लि हा र रु नि म म क्रि य व न द सा ह ॥
व दि म न्क ॥ ॐ दि स ॥ सूर्य म न्क ॥ ॐ द्वा ॥ ह र्द स ॥ सूर्य य म न्क ॥
ॐ रा द्रि को ॥ प्रा न म न्क ॥ ॐ वि वा न नि वि स नि उ ग न उ व र ग न ६ उ

स्वाहा ॥ धर्मन्तुः दादकास्य विमनलाह धनका दाव वियं कस्य स
नाय ॥ ० ॥ सिद्धि रुद्रायाः रुद्रहृत्माहा ॥ ॥ कथं कथं याता लयावे
द्रुसज्जु त्रिहायकैः मनवद्रुसभुताः धनयस्वमनियवः कथं येः अन
गानकः कावनमजमवनसमान ॥ धनवनताः कमियावद्रुद्रु सथन
कगक धने वै याः धनय विचानया काथयशन ॥ ० ॥ ॐ इहृष्टि के तिम
हारयना जेन सिद्धिकला सयवेतः ना जेन प्रवग धनधः ता रुयः न
सयन ॥ धर्मन्तुः सिद्धि व्यनकः काक वा न्यमाका नकशना ॥ ॥

अनिजा विकलिष्टः ॥ ॐ नकमादिवृचवृत्त २ हाद ॥ ॥ अन
जययः धर्मन्तुः नृहिकिय ॥ ॐ यवै मनि या मुनेग द्रुद्रसचन
सतया जे सहाह ॥ ० ॥ अन ॥ जनयुवः प्रसनेयमन्तु ॥ ० ॥
ॐ वज्रयादि विहा विहा ग का हा न उ आन इत पिमृ गत सद्रु
जनयव गानक नैरवः मिहा न रे यचानमरुयक ॥ ॐ म
लाइव त्रिकाया उत नदिग गता धा मृन्तु अ जि ता या स मरु यथि क
या सहिता ॥ कतक नमान यात हाः सकनत उ नासम् ॥ ॥

ॐ लं क मा ह म रु मा ॥ हि ग्यः स्य वः क क ल ख स रु स्य ता न क
व्य ता इ व म च वा सिकः न नानं वा य कः मा म च्छ ता म श य के ॥
वि ग वा व याः ह ल क ह ना मिः ता न कः ना य य श न ॥ ॥ ॐ
० किं किं वि न न रुं र रुं र सा हा ॥ धु म पु न ग्य न स वा स्यः न ग न स त यः
वि कृ म व य कः ॥ ० ॥ ॐ की न यु ग्म ग्म व वे ना य श इ रुं र सा
हा ॥ घ क सि नि म च न क म ग ॥ ० ॥ ॐ किं र सा हाः स व किं र सा हा
र रुं र व ॥ वा स्या क थ य स त स्यः वा स्या क ना य व ॥ ० ॥ ॐ न मा

विष्णुमित्राय नमः किं निरुद्धमिदं किं नल द्ययावव यार्ध व्या अष्टाष्ट सा
विगसिहि साह ॥ ० ॥ ध्यायः यं तादृशं स्वस्थं कः किलिखीनः नक
ताउकाया वः धाकसि नि यालखा सताथः पुकमिनि नमय न क
वा सिवा व न रिद ॥ ० ॥ ॐ नमो आगच्छ नृपय नरुहा नि कर्तुं कर्तुं
कै क धनि २ ॥ ० ॥ निमन नद्रुद साहाः किमिदं वयाः पुतासयः का
दयके ॥ ० ॥ ॐ मायावज्र हत नद्रुमा सनम्रख ननः गरुके ॥ ० ॥
न स मन्द्रया ॥ ० ॥ त्रिभुवनयतः ॥ ० ॥ न गच्छतः किननः गरुत यक